Kiara Astrology Research Centre ®

ॐ गंग गणपतये नमः

(Prime Report)

Call: 08674827268

Kiara ID: 1100 11581 **Date:** 06/06/2020 **Validity :** 1 ~~Year~~ Month Only

नाम:	Mrs. Neha Anar	**जन्म तिथि:**	13/12/1983	**जन्म समय:**	20:42 hrs
जन्म स्थान:	Samastipur, BR	**मांगलिक योग:**	No (नहीं)	**इष्ट देव:**	Hanuman ji
लग्न:	Kark lagna	**राशि:**	Meen (Pisces)	**नक्षत्र:**	उ०भाद्रपद - 2

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Chandra	50 %	Surya	20 %
2.	Guru (अस्त)	0 %	Mangal	80 %
3.	Shukra (स्व)	100 %	Shani (उच्च)	100 %
4.	Rahu (d)	100 %	Budh	100 %
5.	Ketu (d)	100 %	~~Rahu (मि)~~	
6.				

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): 1. मालव्य नामक पंच महापुरुष योग : (Active 100%) - By Shukra
[घर का सुख, वाहन का सुख, luxurious life, luxury आपको Attract करेगी, धन कारक ग्रह, सभी सुख सुविधा मिलेगी।]

3. कुण्डली दोष: सूर्य ग्रहण, चन्द्रग्रहण योग : (सूर्य को रोजाना जल दें!)
मोती धारण करें!

4. शुभ दिन: सोमवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, (Perfume use करना शुभ रहेगा!)

5. शुभ रंग: (सफेद, पीला,) अशुभ: (काला, हरा) से परहेज करें!

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. Yellow sapphire	7+	left	Index	सोने, पीतल, ब्रॉन्ज में बृहस्पतिवार को शुक्ल पक्ष में 8:15 AM पर धारण करें!
2. Pearl (मोती)	8+	left	little	चाँदी में सोमवार को शुक्लपक्ष में 8:15 AM पर धारण करें!
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

नीलम, मूँगा, माणिक, पन्ना आदि रत्न वर्जित हैं। भूलकर भी धारण ना करें।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) गुरु: पुखराज धारण करने से शरीर के रोग कम होंगे तथा Job/Career growth अच्छी होगी। Promotions के योग बनेंगे। (Banking sector, Accounts) अच्छा रहेगा!

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , हृदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव : लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।

शुक्र देव : गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।

शनि देव : शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।

राहु देव : सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।

केतु देव : रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : बुध देव, सूर्यदेव, शनिदेव, मंगलदेव के दान व पाठपूजन सदैव आपको रोगों से दूर रखेंगे।

Comments:

☺ सीधा, साधा, simple Nature, दयालु Nature होगा, आलसी, जिद्दी भी हो सकता है न्याय प्रिय होंगी। Adjustable in every situations.

सौन्दर्य प्रधान वस्तुएं आपको Attract करेंगी। Luxurious life भी enjoy करेंगी। एवं समस्त सुख सुविधा भी मिलेंगी। घर का सुख, वाहन का सुख, Luxurious life आदि सब कुछ मिल जायेगा।

☺ काफी emotional भी रहेंगी। यदि आपको कोई serious डाँट भी देगा तो भी आप रो सकती हैं। Emotional ज्यादा हैं।

☺ बुध के कारण skin related issues हो सकते हैं। ~~संजाना~~ बाजरा चिड़ियों को रोजाना डालने से Health Problems दूर होंगे।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

☺ Seniors का support कम रहेगा। मन के according result मिलने में कमी रहेगी। फिजूल का Hardwork बढ़ा हुआ रहेगा। भाग्य का साथ मिलने में कमी आएगी due to Mangal dev.

उपाय:- हनुमान जी पर सिन्दूर चढ़ाएं। (Every Tuesday)

→ किसी गरीब को लाल रंग की वस्तु जैसे टमाटर, सेब, गाजर आदि मंगलवार को दान करने से समस्या समाप्त होगी।

→ Hard work ज्यादा करना पड़ेगा & results कम मिलेंगे। मंगल का दान करने से Problems दूर होंगी।

→ Job Promotion में delay का कारण मंगल देव हैं। इसलिए दान करना लाभप्रद रहेगा।

☺ शनिदेव के कारण लम्बी चलने वाली बीमारी हो सकती है। गुस्सा भी अधिक आ सकता है। Job में समस्या create करेंगे। जब शनि देव की दशा चलेगी। इसलिए हर शनिवार को शनिदेव का पाठ पूजन एवं सरसों का तेल दान करें (After sunset) - (शनिवार को & अमावस्या के दिन)

☺ गुरु देव, सूर्य से अस्त हैं। इसलिए Job में growth कम रहेगी। धन लाभ में कमी आ सकती है। पुखराज धारण करने से Job Promotions अच्छे होंगे। Career growth अच्छी हो जाएगी।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

☺ पुत्र (Son) के योग हैं।

[18/09/22 to 17/05/24 → [golden period of life]]

☺ शत्रु ग्रह : सूर्य देव, शनि देव, बुध देव, मंगल देव →
इसलिए इन ग्रहों का पाठ पूजन एवं दान करके शान्त करना होगा। समस्त समस्याएं दूर होंगी।

दशा : :- 18/05/2018 to 17/05/2038 : अच्छी दशा (80%)
शुक्र की महादशा

☺ शुक्र/शुक्र/गुरु : 27/01/20 to 06/07/20 — सामान्य दशा
/शनि : 07/07/20 to 17/01/21 — खराब दशा (80%)
↳ (शनिदेव का पाठ पूजन एवं दान अवश्य करें।)
/बुध : 18/01/21 to 06/07/21 : खराब दशा (80%)
↳ [बुध देव का दान एवं पाठ पूजन अवश्य करें। समस्याएं दूर जाएंगी]
/केतु : 07/07/21 to 17/09/21 : अच्छी दशा (100%)

☺ शुक्र/सूर्य :- 18/09/21 to 18/09/22 : सामान्य दशा
└ (सूर्य देव को जल दें रोजाना) अच्छा समय हो जाएगा।

(Bad Time) → 05/11/21 to 26/11/21 : — मंगल & सूर्य के उपाय करते रहें।
08/03/22 to 04/05/22 : शनि & सूर्य के उपाय करते रहें।
Attention → 05/05/22 to 26/06/22 : सूर्य & बुध के उपाय करें।

[सूर्य, बुध, शनि, मंगल के उपाय & दान और report से follow करें। नियमित रूप से ध्यान करने से परेशानी समाप्त होगी।]

Scanned with CamScanner

कुण्डली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: (रविवार को करना है)	रोजाना सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें।** **(ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: (सोमवार को करना है)	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: (मंगलवार को करना है)	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: (बुधवार को करना है)	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: (वृहस्पतिवार को करना है)	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले के पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ वृं वृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

Scanned with CamScanner

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ॐ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ शं शनैश्चराय नमः)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ रां राहवे नमः)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ कें केतवे नमः)**

नोट: यदि आपकी कुण्डली शनि, ~~राहु के दान~~ के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय ~~(दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए)~~ तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

Scanned with CamScanner

Mrs. Neha Amar

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011581 Date: 06/06/2020

Mrs. Neha Amar

13 Dec 1983 08:42 PM

Samastipur

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Mrs. Neha Amar

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011581 Date: 06/06/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **13/12/1983**
दिन	: मंगलवार
जन्म समय	: **20:42:00 ांटे**
इष्ट	: 35:43:42 घटी
स्थान	: **Samastipur**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 25:52:00 उत्तर
रेखांश	: 85:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:13:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 20:55:08 घंटे
वेलान्तर	: 00:06:06 घंटे
साम्पातिक काल	: 02:22:06 घंटे
सूर्योदय	: 06:24:31 घंटे
सूर्यास्त	: 16:57:03 घंटे
दिनमान	: 10:32:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 27:24:47 वृश्चिक
लग्न के अंश	: 18:06:06 कर्क

चैत्रादि संवत / शक	: 2040 / 1905
मास	: मार्गशीर्ष
पक्ष	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	: 8
तिथि समाप्ति काल	: 07:47:16
जन्म तिथि	: 9
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: पू०भाद्रपद
नक्षत्र समाप्ति काल	: 08:43:16 घंटे
जन्म नक्षत्र	: उ०भाद्रपद
सूर्योदय कालीन योग	: सिद्धि
योग समाप्ति काल	: 14:24:29 घंटे
जन्म योग	: व्यतिपात
सूर्योदय कालीन करण	: बव
करण समाप्ति काल	: 07:47:16 घंटे
जन्म करण	: बालव
भयात	: 29:56:50
भभोग	: 65:58:04
भोग्य दशा काल	: शनि 10 वर्ष 5 मा 0 दि

अवकहड I चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: कर्क – चन्द्र
राशि–स्वामी	: **मीन – गुरु**
नक्षत्र–चरण	: **उ०भाद्रपद – 2**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: व्यतिपात
करण	: बालव
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: सर्प
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: थ–थाकोरी
पाया(राशि–नक्षत्र)	: रजत – लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: धनु

ात चक्र	
मास	: फाल्गुन
तिथि	: 5-10-15
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: आश्लेषा
योग	: वज्र
करण	: चतुष्पाद
प्रहर	: 4
वर्ग	: गरूड़
लग्न	: सिंह
सूर्य	: मिथुन
चन्द्र	: कुम्भ
मंगल	: कर्क
बुध	: कुम्भ
गुरु	: सिंह
शुक्र	: कन्या
शनि	: वृष
राहु	: तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	18:06:06	312:29:48	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	———
सूर्य			वृश्चि	27:24:47	01:01:01	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	09:21:21	12:06:47	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	20:55:21	00:33:48	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			धनु	17:56:48	01:02:47	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
गुरु		अ	वृश्चि	28:07:27	00:13:38	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			तुला	14:27:17	01:10:13	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	18:35:08	00:06:10	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	उच्च राशि
राहु			वृष	22:16:28	00:00:10	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	22:16:28	00:00:10	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	16:26:01	00:03:38	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	———
नेप			धनु	05:01:32	00:02:15	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	———
प्लूटो			तुला	07:42:18	00:01:44	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	———
दशम भाव			मेष	14:15:24	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:41

लग्न–चलित

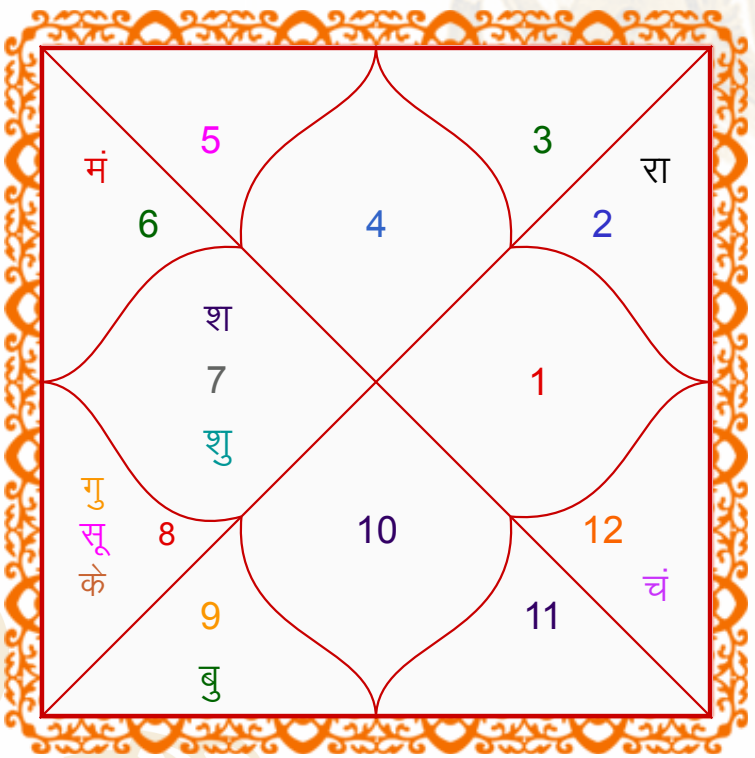

चन्द्र कुंडली

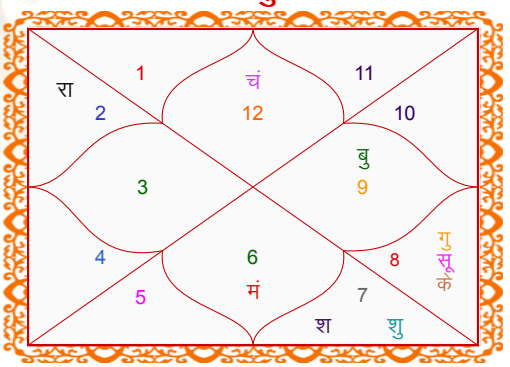

नवमांश कुंडली

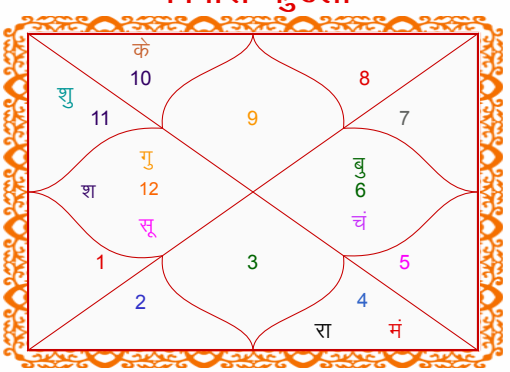

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	16	42	18	29	12	6	60
सप्तवर्गज बल	128	109	90	105	120	105	114
ओजयुग्मक बल	0	30	0	15	0	0	15
केन्द्र बल	30	15	15	15	30	60	60
द्रेष्काण बल	0	0	0	15	0	0	15
कुल स्थान बल	173	196	123	179	162	171	264
कुल दिग्बल	14	12	8	10	17	60	30
नतोन्नत बल	15	45	45	60	15	15	45
पक्ष बल	26	68	26	34	34	34	26
त्रिभाग बल	0	60	0	0	60	0	0
अब्द बल	0	15	0	0	0	0	0
मास बल	30	0	0	0	0	0	0
वार बल	0	0	45	0	0	0	0
होरा बल	0	0	60	0	0	0	0
अयन बल	1	28	22	59	0	11	50
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	72	217	199	153	109	60	121
कुल चेष्टाबल	0	0	28	41	1	30	15
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	0	-1	17	-7	0	11	10
कुल षट्बल	320	474	391	402	324	375	449
रूप षट्बल	5.3	7.9	6.5	6.7	5.4	6.2	7.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.1	1.3	1.3	1.0	0.8	1.1	1.5
संबंधित पद	5	2	3	6	7	4	1

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	6.87	37.83	22.25	34.35	3.49	13.12	30.03
कष्ट फल	50.20	21.57	36.78	24.48	53.06	40.58	4.60

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	474	320	402	375	391	324	449	449	324	391	375	402
भावदिग्बल	30	20	40	30	40	20	30	10	10	60	50	50
भावदृष्टि बल	76	68	35	12	4	-7	-16	38	57	63	21	101
कुल भाव बल	580	408	477	417	435	337	463	497	391	514	446	553
रूप भाव बल	9.7	6.8	8.0	7.0	7.3	5.6	7.7	8.3	6.5	8.6	7.4	9.2
संबंधित पद	1	10	5	9	8	12	6	4	11	3	7	2

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

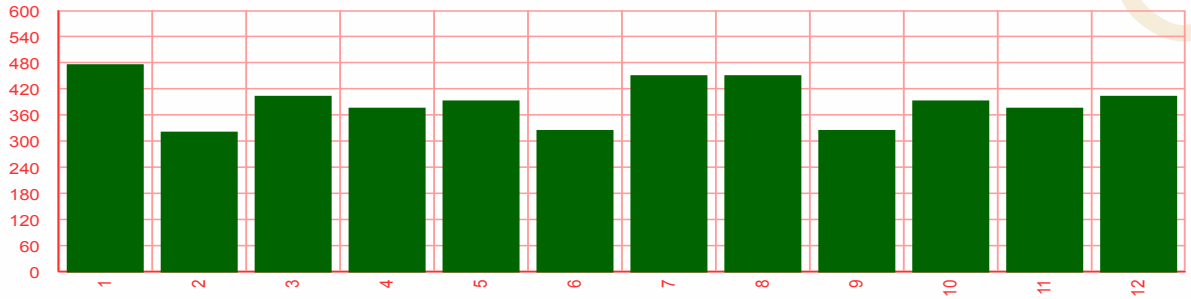

भावदिग्बल

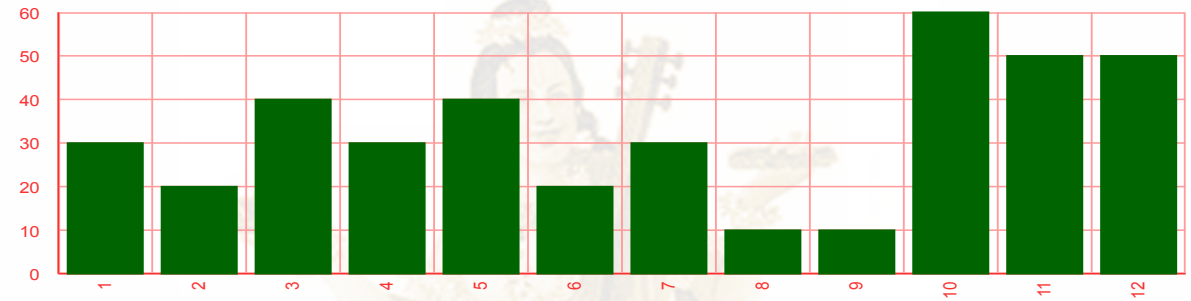

भावदृष्टि बल

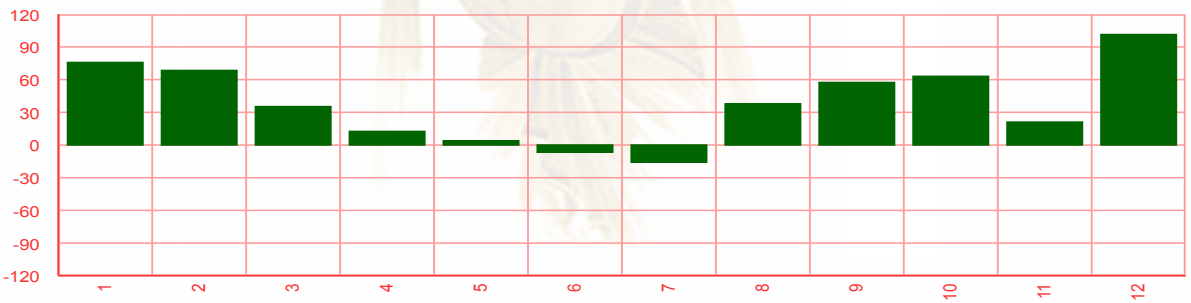

भाव बल

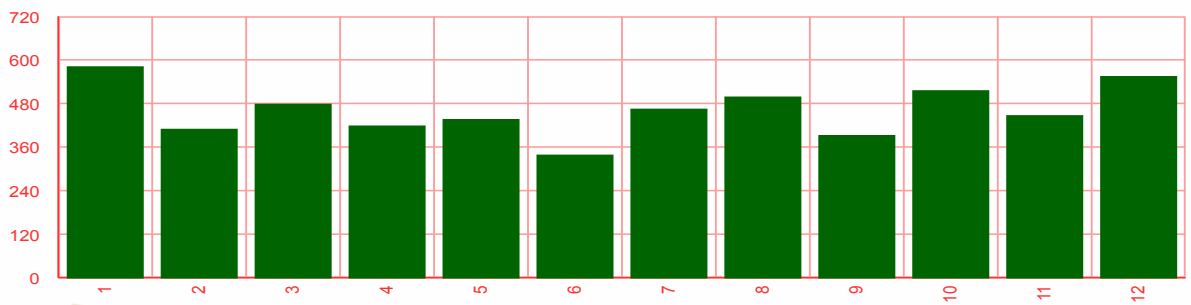

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 10 वर्ष 5 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष	
13/12/1983	
14/05/1994	
	00/00/0000
	00/00/0000
	13/12/1983
शुक्र	05/05/1985
सूर्य	17/04/1986
चंद्र	16/11/1987
मंगल	25/12/1988
राहु	01/11/1991
गुरु	14/05/1994

बुध 17 वर्ष	
14/05/1994	
15/05/2011	
बुध	10/10/1996
केतु	07/10/1997
शुक्र	07/08/2000
सूर्य	14/06/2001
चंद्र	13/11/2002
मंगल	10/11/2003
राहु	30/05/2006
गुरु	04/09/2008
शनि	15/05/2011

केतु 7 वर्ष	
15/05/2011	
14/05/2018	
केतु	11/10/2011
शुक्र	10/12/2012
सूर्य	17/04/2013
चंद्र	16/11/2013
मंगल	14/04/2014
राहु	03/05/2015
गुरु	07/04/2016
शनि	17/05/2017
बुध	14/05/2018

शुक्र 20 वर्ष	
14/05/2018	
14/05/2038	
शुक्र	13/09/2021
सूर्य	13/09/2022
चंद्र	14/05/2024
मंगल	14/07/2025
राहु	14/07/2028
गुरु	15/03/2031
शनि	14/05/2034
बुध	14/03/2037
केतु	14/05/2038

सूर्य 6 वर्ष	
14/05/2038	
14/05/2044	
सूर्य	01/09/2038
चंद्र	03/03/2039
मंगल	09/07/2039
राहु	01/06/2040
गुरु	20/03/2041
शनि	02/03/2042
बुध	07/01/2043
केतु	15/05/2043
शुक्र	14/05/2044

चंद्र 10 वर्ष	
14/05/2044	
14/05/2054	
चंद्र	14/03/2045
मंगल	13/10/2045
राहु	14/04/2047
गुरु	13/08/2048
शनि	15/03/2050
बुध	14/08/2051
केतु	14/03/2052
शुक्र	13/11/2053
सूर्य	14/05/2054

मंगल 7 वर्ष	
14/05/2054	
14/05/2061	
मंगल	11/10/2054
राहु	29/10/2055
गुरु	04/10/2056
शनि	13/11/2057
बुध	10/11/2058
केतु	08/04/2059
शुक्र	07/06/2060
सूर्य	13/10/2060
चंद्र	14/05/2061

राहु 18 वर्ष	
14/05/2061	
15/05/2079	
राहु	25/01/2064
गुरु	20/06/2066
शनि	26/04/2069
बुध	13/11/2071
केतु	01/12/2072
शुक्र	02/12/2075
सूर्य	25/10/2076
चंद्र	26/04/2078
मंगल	15/05/2079

गुरु 16 वर्ष	
15/05/2079	
15/05/2095	
गुरु	02/07/2081
शनि	13/01/2084
बुध	20/04/2086
केतु	27/03/2087
शुक्र	25/11/2089
सूर्य	13/09/2090
चंद्र	13/01/2092
मंगल	19/12/2092
राहु	15/05/2095

शनि 19 वर्ष	
15/05/2095	
00/00/0000	
शनि	18/05/2098
बुध	26/01/2101
केतु	06/03/2102
शुक्र	14/12/2103
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 10 वर्ष 4 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - शुक्र	
14/05/2018	
13/09/2021	
शुक्र	03/12/2018
सूर्य	02/02/2019
चंद्र	15/05/2019
मंगल	25/07/2019
राहु	23/01/2020
गुरु	04/07/2020
शनि	12/01/2021
बुध	04/07/2021
केतु	13/09/2021

शुक्र - सूर्य	
13/09/2021	
13/09/2022	
सूर्य	01/10/2021
चंद्र	01/11/2021
मंगल	22/11/2021
राहु	16/01/2022
गुरु	05/03/2022
शनि	02/05/2022
बुध	23/06/2022
केतु	14/07/2022
शुक्र	13/09/2022

शुक्र - चंद्र	
13/09/2022	
14/05/2024	
चंद्र	03/11/2022
मंगल	08/12/2022
राहु	10/03/2023
गुरु	30/05/2023
शनि	03/09/2023
बुध	29/11/2023
केतु	03/01/2024
शुक्र	14/04/2024
सूर्य	14/05/2024

शुक्र - मंगल	
14/05/2024	
14/07/2025	
मंगल	08/06/2024
राहु	11/08/2024
गुरु	07/10/2024
शनि	13/12/2024
बुध	11/02/2025
केतु	08/03/2025
शुक्र	18/05/2025
सूर्य	09/06/2025
चंद्र	14/07/2025

शुक्र - राहु	
14/07/2025	
14/07/2028	
राहु	25/12/2025
गुरु	21/05/2026
शनि	10/11/2026
बुध	14/04/2027
केतु	17/06/2027
शुक्र	17/12/2027
सूर्य	10/02/2028
चंद्र	11/05/2028
मंगल	14/07/2028

शुक्र - गुरु	
14/07/2028	
15/03/2031	
गुरु	21/11/2028
शनि	24/04/2029
बुध	09/09/2029
केतु	05/11/2029
शुक्र	16/04/2030
सूर्य	04/06/2030
चंद्र	24/08/2030
मंगल	20/10/2030
राहु	15/03/2031

शुक्र - शनि	
15/03/2031	
14/05/2034	
शनि	14/09/2031
बुध	25/02/2032
केतु	02/05/2032
शुक्र	11/11/2032
सूर्य	08/01/2033
चंद्र	14/04/2033
मंगल	21/06/2033
राहु	11/12/2033
गुरु	14/05/2034

शुक्र - बुध	
14/05/2034	
14/03/2037	
बुध	08/10/2034
केतु	07/12/2034
शुक्र	29/05/2035
सूर्य	20/07/2035
चंद्र	14/10/2035
मंगल	13/12/2035
राहु	17/05/2036
गुरु	01/10/2036
शनि	14/03/2037

शुक्र - केतु	
14/03/2037	
14/05/2038	
केतु	08/04/2037
शुक्र	18/06/2037
सूर्य	10/07/2037
चंद्र	14/08/2037
मंगल	08/09/2037
राहु	11/11/2037
गुरु	07/01/2038
शनि	15/03/2038
बुध	14/05/2038

सूर्य - सूर्य	
14/05/2038	
01/09/2038	
सूर्य	20/05/2038
चंद्र	29/05/2038
मंगल	04/06/2038
राहु	21/06/2038
गुरु	06/07/2038
शनि	23/07/2038
बुध	07/08/2038
केतु	14/08/2038
शुक्र	01/09/2038

सूर्य - चंद्र	
01/09/2038	
03/03/2039	
चंद्र	16/09/2038
मंगल	27/09/2038
राहु	24/10/2038
गुरु	18/11/2038
शनि	17/12/2038
बुध	11/01/2039
केतु	22/01/2039
शुक्र	22/02/2039
सूर्य	03/03/2039

सूर्य - मंगल	
03/03/2039	
09/07/2039	
मंगल	10/03/2039
राहु	29/03/2039
गुरु	15/04/2039
शनि	06/05/2039
बुध	24/05/2039
केतु	31/05/2039
शुक्र	21/06/2039
सूर्य	28/06/2039
चंद्र	09/07/2039

सूर्य - राहु	
09/07/2039	
01/06/2040	
राहु	27/08/2039
गुरु	10/10/2039
शनि	01/12/2039
बुध	16/01/2040
केतु	04/02/2040
शुक्र	30/03/2040
सूर्य	16/04/2040
चंद्र	13/05/2040
मंगल	01/06/2040

सूर्य - गुरु	
01/06/2040	
20/03/2041	
गुरु	10/07/2040
शनि	25/08/2040
बुध	06/10/2040
केतु	23/10/2040
शुक्र	11/12/2040
सूर्य	25/12/2040
चंद्र	19/01/2041
मंगल	05/02/2041
राहु	20/03/2041

सूर्य - शनि	
20/03/2041	
02/03/2042	
शनि	14/05/2041
बुध	03/07/2041
केतु	23/07/2041
शुक्र	19/09/2041
सूर्य	06/10/2041
चंद्र	04/11/2041
मंगल	24/11/2041
राहु	15/01/2042
गुरु	02/03/2042

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - बुध	
02/03/2042	
07/01/2043	
बुध	15/04/2042
केतु	04/05/2042
शुक्र	24/06/2042
सूर्य	10/07/2042
चंद्र	05/08/2042
मंगल	23/08/2042
राहु	08/10/2042
गुरु	19/11/2042
शनि	07/01/2043

सूर्य - केतु	
07/01/2043	
15/05/2043	
केतु	14/01/2043
शुक्र	05/02/2043
सूर्य	11/02/2043
चंद्र	22/02/2043
मंगल	01/03/2043
राहु	20/03/2043
गुरु	06/04/2043
शनि	27/04/2043
बुध	15/05/2043

सूर्य - शुक्र	
15/05/2043	
14/05/2044	
शुक्र	15/07/2043
सूर्य	02/08/2043
चंद्र	01/09/2043
मंगल	23/09/2043
राहु	16/11/2043
गुरु	04/01/2044
शनि	02/03/2044
बुध	23/04/2044
केतु	14/05/2044

चंद्र - चंद्र	
14/05/2044	
14/03/2045	
चंद्र	08/06/2044
मंगल	26/06/2044
राहु	11/08/2044
गुरु	20/09/2044
शनि	08/11/2044
बुध	21/12/2044
केतु	07/01/2045
शुक्र	27/02/2045
सूर्य	14/03/2045

चंद्र - मंगल	
14/03/2045	
13/10/2045	
मंगल	27/03/2045
राहु	28/04/2045
गुरु	26/05/2045
शनि	29/06/2045
बुध	29/07/2045
केतु	10/08/2045
शुक्र	15/09/2045
सूर्य	26/09/2045
चंद्र	13/10/2045

चंद्र - राहु	
13/10/2045	
14/04/2047	
राहु	04/01/2046
गुरु	18/03/2046
शनि	12/06/2046
बुध	29/08/2046
केतु	30/09/2046
शुक्र	30/12/2046
सूर्य	27/01/2047
चंद्र	13/03/2047
मंगल	14/04/2047

चंद्र - गुरु	
14/04/2047	
13/08/2048	
गुरु	18/06/2047
शनि	03/09/2047
बुध	11/11/2047
केतु	10/12/2047
शुक्र	29/02/2048
सूर्य	24/03/2048
चंद्र	04/05/2048
मंगल	01/06/2048
राहु	13/08/2048

चंद्र - शनि	
13/08/2048	
15/03/2050	
शनि	13/11/2048
बुध	03/02/2049
केतु	09/03/2049
शुक्र	13/06/2049
सूर्य	12/07/2049
चंद्र	29/08/2049
मंगल	02/10/2049
राहु	27/12/2049
गुरु	15/03/2050

चंद्र - बुध	
15/03/2050	
14/08/2051	
बुध	27/05/2050
केतु	26/06/2050
शुक्र	20/09/2050
सूर्य	16/10/2050
चंद्र	28/11/2050
मंगल	28/12/2050
राहु	16/03/2051
गुरु	24/05/2051
शनि	14/08/2051

चंद्र - केतु	
14/08/2051	
14/03/2052	
केतु	26/08/2051
शुक्र	01/10/2051
सूर्य	12/10/2051
चंद्र	29/10/2051
मंगल	11/11/2051
राहु	13/12/2051
गुरु	10/01/2052
शनि	13/02/2052
बुध	14/03/2052

चंद्र - शुक्र	
14/03/2052	
13/11/2053	
शुक्र	24/06/2052
सूर्य	24/07/2052
चंद्र	13/09/2052
मंगल	18/10/2052
राहु	18/01/2053
गुरु	09/04/2053
शनि	14/07/2053
बुध	08/10/2053
केतु	13/11/2053

चंद्र - सूर्य	
13/11/2053	
14/05/2054	
सूर्य	22/11/2053
चंद्र	07/12/2053
मंगल	18/12/2053
राहु	14/01/2054
गुरु	08/02/2054
शनि	09/03/2054
बुध	03/04/2054
केतु	14/04/2054
शुक्र	14/05/2054

मंगल - मंगल	
14/05/2054	
11/10/2054	
मंगल	23/05/2054
राहु	15/06/2054
गुरु	04/07/2054
शनि	28/07/2054
बुध	18/08/2054
केतु	27/08/2054
शुक्र	21/09/2054
सूर्य	28/09/2054
चंद्र	11/10/2054

मंगल - राहु	
11/10/2054	
29/10/2055	
राहु	07/12/2054
गुरु	27/01/2055
शनि	29/03/2055
बुध	22/05/2055
केतु	14/06/2055
शुक्र	17/08/2055
सूर्य	05/09/2055
चंद्र	07/10/2055
मंगल	29/10/2055

मंगल - गुरु	
29/10/2055	
04/10/2056	
गुरु	14/12/2055
शनि	06/02/2056
बुध	25/03/2056
केतु	14/04/2056
शुक्र	10/06/2056
सूर्य	27/06/2056
चंद्र	25/07/2056
मंगल	14/08/2056
राहु	04/10/2056